

[4]

H-2372

खण्ड—ब

(Section—B)

9. जीवात्मा की अवस्थाओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
Define the stages of "Jivatma" in short.
10. भगवद्गीता के अनुसार बंधन के कारणों को स्पष्ट कीजिए।
According to "Bhagwad gita" explain the causes of "Bandhana".
11. 'शब्द भी प्रमाण नहीं है।' दर्शन के एक विद्वान के इस कथन को स्पष्ट कीजिए।
Justify the statements given by a philosopher 'word is also not an evidence'.
12. प्रतीत्यसमुत्पाद के अर्थ को स्पष्ट कीजिए।
Explain the meaning of "Pratityasamutpada".
13. योगसूत्र के विषय को स्पष्ट कीजिए।
Define the subject of "Yoga Sutra".
14. श्री अरविन्द के दार्शनिक सिद्धान्त को संक्षेप में परिभाषित कीजिए।
Shortly describe the "Philosophical theory" of "Sri Aurobindo".

खण्ड—स

(Section—C)

15. ब्रह्मविचार को संक्षेप में समझाइए।
Briefly describe the 'Brahmavichar'.
16. जैनमतानुसार धर्म के अंशों को स्पष्ट कीजिए।
According to Jain thought define the parts of Dharma.

A-31

H-2372

Post Graduate Diploma in Yogic Science
Term End Examination, June-July, 2017

Paper Second

योग दर्शन (भारतीय दर्शन के संदर्भ में)

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 70

[Minimum Pass Marks : 28

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड—अ : प्रश्न क्रमांक 01 से 08 तक अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिये 01 अंक निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 1 या 2 शब्दों/1 वाक्य में दीजिये।

खण्ड—ब : प्रश्न क्रमांक 09 से 14 तक अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए $2\frac{1}{2}$ अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 75 शब्दों में दीजिये।

खण्ड—स : प्रश्न क्रमांक 15 से 18 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये।

A-31

P. T. O.

[2]

H-2372

खण्ड—द : प्रश्न क्रमांक 19 से 22 तक अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दीजिये।

खण्ड—इ : प्रश्न क्रमांक 23 एवं 24 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 17 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में दीजिये।

Instructions for Candidate :

Section—A : Question Nos. 01 to 08 are very short answer type questions. Attempt all questions. Each question carries 01 mark. Answer each of these questions in 1 or 2 words/1 sentence.

Section—B : Question Nos. 09 to 14 are very short answer type questions. Attempt any *four* questions. Each question carries $2\frac{1}{2}$ marks. Answer each of these questions in about 75 words.

Section—C : Question Nos. 15 to 18 are short answer type questions. Attempt any *three* questions. Each question carries 05 marks. Answer each of these questions in about 150 words.

Section—D : Question Nos. 19 to 22 are half long answer type questions. Attempt any *two* questions. Each question carries 10 marks. Answer each of these questions in about 300 words.

Section—E : Question Nos. 23 and 24 are long answer type questions. Attempt any *one* question. Each question carries 17 marks. Answer each of these questions in about 700 words.

[3]

H-2372

खण्ड—अ

(Section—A)

1. भारतीय दार्शनिक सम्प्रदायों के दो प्रमुख भाग हैं।

(सत्य/असत्य)

There are two major parts of Indian philosophy.

(True/False)

2. विज्ञानमय कोष में क्या-क्या सम्मिलित है ?

What are the constituents of Vigyanmaya Kosh ?

3. चार्वाक दर्शन के प्रणेता किसे माना जाता है ?

Who is the founder of 'Charwak Darshan' ?

4. अपरोक्ष ज्ञान के तीन भेदों के नाम बताइए।

Describe the name of *three* elements of "Aproksha Gyan".

5. प्रतीत्यसमुत्पाद क्या है ?

What is 'Pratityasamutpada' ?

6. वेदों के दो विभागों के नाम बताइए।

Write the name of two parts of "Veda".

7. सांख्य दर्शन के अनुसार कारणता का सिद्धान्त क्या कहलाता है ?

According to 'Samkhya Darshan' what is the name of theory of causation ?

8. प्रस्थानत्रयी ग्रंथों के नाम लिखिए।

Write the name of the "Prasthan Trayee Granthas".

[5]

H-2372

17. कारणता के सिद्धान्त को संक्षेप में समझाइए।

Shortly define the theory of causation.

18. श्री अरविन्द के अनुसार “विकास या आरोहण” को परिभाषित कीजिए।

Define the “Vikas or Arohan” according to Shri Aurobindo.

खण्ड—द

(Section—D)

19. “भगवद्गीता एक योगशास्त्र है।” व्याख्या कीजिए।

“Bhagwadgita is a Yogashastra.” Discuss it.

20. बौद्ध दर्शनानुसार चार “आर्यसत्त्यों” को परिभाषित कीजिए।

According to Buddha philosophy discuss the four “Aryastayas”.

21. अष्टांग योग का वर्णन कीजिए।

Describe the “Aastanga Yoga.”

22. माया या अविद्या को स्पष्ट कीजिए।

Define the “Maya or Avidya.”

खण्ड—इ

(Section—E)

23. प्रकृति को सांख्य मतानुसार वर्णित कीजिए।

Describe the “Prakriti” according to “Samkhya”.

24. चित्तवृत्तियों और चित्तभूमियों को योगदर्शन के अनुसार वर्णित कीजिए।

According to “Yoga Darshan” define the “Chittavriti” and “Chittabhoomi”.

H-2372

2,480